

बोधराज सीकरी : योग - स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण - स्वस्थ वातावरण के लिए अति आवश्यक

दैनिक जागरण

स्वस्थ शरीर के लिए योग अपनाना जरूरी

योग शिविर में पांचवें दिन पुलिस आयुक्त ने की शिरकत, बोलीं- वर्षा में भी लोगों में योग के ग्राहित उत्साह सराहनीय

जापान मेडिकल इन्स्टिट्यूट योग शिविर के उपाध्यक्ष में दीक्षित जगरण, और योग संवेदन और प्रत्यक्षीय विश्वासी महामार्गठन के संरीकेय योग एवं ध्यान सम्बन्धित शिविर के पांचवें दिन पुलिस आयुक्त कानूनी एवं अधिकारी ने शिरकत की। उन्होंने स्वस्थ शरीर के लिए योग और प्रथमांक वातावरण के लिए पौधारोपण करने की अपील की। सभा ही उन्होंने योग में भी योग करने पर्याप्त लोगों के डाक्तरों की सहाया। योगराज द्वा और मानवानुभव महामार्ग ने संरीकी की पुनः के सभा योग और अनुष्ठान शिविर प्रशासन उत्तराखण्ड, झज्जरारी, उत्तराखण्ड एवं झज्जरी प्रशासन के विवरण। स्वास्थ्य गैर के सभा उन्होंने कालानन्दनी और अनिवार्य छिक्का का अप्पास भी कराया।

डॉक्टर-सा एक्सटेंशन शिविर जीवाणु इटरनेशनल स्कूल में शिविर का शुभारंभ पुलिस आयुक्त करना एवं अधिकारी ने दीप प्रज्ञानिति कर किया। योग सभाको वो संबोधित करते हुए, कहा कि वर्षा में भी स्वीकृति



अंतर्राष्ट्रीय योग शिविर के उपाध्यक्ष में दीक्षित जगरण, और पांचवें दिन वृक्षारोपण दीप और सेवा-स्वास्थ्य एवं एक्सटेंशन शिविर नीतीश इटरनेशनल स्कूल में शिविर समीक्षाय की। एवं ध्यान सम्बन्धित शिविर में सभी दो संस्कृत काली दुर्लभ आयुक्त करने वाले ने दीप लगाया।

का योग करने के लिए अना उनका योग के द्वारा समर्पण चाह वो दिया गया है। वही दीप समाप्ति चाह में कर्म करने का प्रयत्न करते हैं तो निरिक्षा ही है। एवं उसमें सरकारी कालानन्दनी है। उन्होंने शिव्यु साकारकनाम

के एक स्थानीय को उद्घाटन करते हुए, योग के द्वारा समर्पण चाह को दीक्षित कर्मी को दीक्षित करने के द्वारा समर्पण चाह में कर्म तो हम किसी भी दाना में करे व गहरा करने नहीं करें और यहाँ व अपाराध धोय से शूट जाएं।

योगराज द्वा और मानवानुभव महामार्ग ने बताया कि इस सम्बन्ध में सभी के विकास जाती रहती होती है, वही मन के विकास भी दीप ध्यान एवं कर्म अपाराध उन्हें से जाती है। अतः अपाराध के विकास के लिए, व्यक्ति

सम्बन्ध जितनी जाती है, उसमें ही मन को नियंत्रित करने के लिए, यिस पर्याप्त साधन को भी अप्राप्यता है। यहाँ सम्बन्ध योग का एक महत्वाकां अंग है, जिसके द्वारा हम अपने लौकिक तरीकों को सम्बन्ध स्थापित करते हैं और उच्च साकारात्मक व्यक्ति योगी से सुट्टातां पा सकते हैं।

शिविर अंतिम दिन मध्यमे पर्याप्त विदाया दिए गए इन्वेस्टिगेशन शिविर (भारतीय अधिकारी) का नाम औद्योगिक व पुष्टुरुष भैट करने के स्वागत किया गया। पैदली विश्वासी महामार्गठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने सम्बन्ध के महत्व पर आधारीक दृष्टि कीन से प्रकाश दाया। शिविर में रेपेल मूलान, और लालान, सुरेंद्र खुल्ला, युवांशु मुख, एवं कुमार, रमेशनान धोयर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योतिशन बलान, ज्योति बलान, रमेश बलान, रामपाल आहुजा, गोविंद मल्हून व फर्मेंट बलान समेत अन्य साकारात्मक लोग मीट्यूट रहे।



इस कार्यक्रम में अकार अधिकारी नाम साकारात्मक और ध्यान शिविर कर्मी, उन्होंने योग प्रसाद ही लगाया। उन्होंने बाद से अपने रुक्षाना कहा।



यह बात सही है कि योग नियोग दानाना है। पैदी में बहुत बड़े रुक्ष दाना। इसमें मृत्युकरी ही, नियोग दानाना है। उपा द्वारा नियोग एक सभा में नियमित रूप से दीया जाता है।



मैं 64 वर्ष का हूं। एक साल से नियमित ध्यान कर रहा हूं। अनीर बहुत रुक्ष और कृतिकारी हूं। इस उम्र में मृत्यु करी रुक्ष नहीं है। सभे दिन उम्र जाती है।



मैं 62 वर्ष की हूं। मृत्यु करी, रुक्ष नहीं अन्य वही कृतिकारी हूं। अब मैं योग करके कृतिकारी पर ध्यान देती हूं। जारी रुक्ष नहीं है। उम्र पूरा दिन अन्य गुरुकरता है।



स्वस्थ रुक्ष है तो नहीं की योग करना चाहिए। व्यक्ति नियोग दानाना करना चाहिए।

958 में
ते दोपदी मुझे

अस्कर
हैल कार
वैंडिंग
स्टर पर

up.com

देश का विभिन्नतमों उत्तराखण्ड

दैनिक भास्कर

नामा | ३१-४२, ३६०-३६१ मालाला, २० जून २०२३ | ग्रन्ति ३५० रुपये | कृपा ३.२३ लक्ष



ज्ञाती, जोड़ा, लड़का और देहाटून से प्रकाशित



हलोबल वार्मिंग से बचने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत : बोधराज सीकरी

भास्कर च्यूरो

गुरुग्राम। ओ३८ योग संस्थान ट्रस्ट शास्त्रा गुरुग्राम, पंजाबी विद्यालय महा संगठन गुरुग्राम, जी.ए.वी. स्कूल समूह तथा दैनिक जागरण के संयुक्त तत्त्वावधान में जीवोए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में आयोजित निःशुल्क संगीतमय योग एवं ध्यान साधना शिविर में सोमवार को वर्षा के बावजूद योग साधकों को सराहनीय उपस्थिति योग के महत्व को दर्शाती है। योगीराज महाराज ने कहा कि ध्यान साधना योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तीव्रिका तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं और उच्च रक्तचाप व हृदय रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। शिविर की मुख्य अतिथि श्रीमति कला रामचन्द्रन (फुलिस कमिशनर, गुरुग्राम) का स्वागत पंजाबी विद्यालय महा संगठन के प्रधान माननीय बोधराज सीकरी, रमेश मुजल, ओ पी कालरा जी, सुरेंद्र खुल्लर, वदुवाहन चुग, एम के कुमार,



रामलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, राजपाल झग्जा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, सुभाष गावा जी, किशोरी लाल ढुडेजा, नरेश चाबला, रमेश कामरा, ओ पी कालरा,

रवि मनोचा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल कटारिया, राजेश अर्य, मधु अर्य, सुषमा अर्य, मीनाक्षी मुजल और अन्य ने पुण्य गृह, पौधा, शाल और स्मृति चिन्ह भेट करके किया। दीप प्रज्वलन के बाद बोधराज सीकरी ने पर्वारण के महत्व पर अध्यात्मिक हृषि कौन से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि संपूर्ण विश्व आज मनोबल वार्मिंग से जूँड़ा रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ मनोबल वार्मिंग से चुटकासा मिलेगा वहाँ वर्षा समय पर व सही मात्रा में होने से भूजल का सरर भी टीक बना योगा।

विंशट अतिथि गिरिराज (ध्यानचौद अवौदी) डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल विभाग, गुरुग्राम, हरियाणा सरकार वह भी शाल औद्धारक व पुण्यगृह भेट करके स्वागत किया था।

PIC•COLLAGE

दैनिक ट्रिब्यून

स्वस्थ शरीर के लिए योग, शुद्ध वातावरण के लिए करें वृक्षारोपण : बोधराज सीकरी

गुरुवार, 19 जून (एप)

ओम योग संस्थान ट्रस्ट शास्त्रा, पंजाबी विरादरी महा संगठन, जीएची स्कूल समूह के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-7 एक्सटेशन के प्रांगण में 5वें दिन योग शिविर जारी रहा। वर्षा के बावजूद योग साधकों की भीड़ रही। इस अवसर पर पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कीन से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि संपूर्ण विश्व आज ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहां ग्लोबल वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा वहीं, वर्षा समय पर व सही मात्रा में होने से भूजल का स्तर भी ठीक बना रहेगा।

मुख्य अतिथि सीपी कला रामचंद्रन ने कहा कि बरसात में भी

लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है। विशिष्ट अतिथि गिरिराज (ध्यानचंद्र अवौद्धी) डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल विभाग का भी स्वागत किया गया।

योग शिविर में वर्षा के कारण मंच पर ही योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सीतकारी, उज्जायी एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वरचित गीत के साथ उन्होंने कपालभाति, अग्निसार क्रिया का अभ्यास भी करवाया।

मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन का स्वागत पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, रमेश मुंजाल, ओपी कालरा, सुरेन्द्र खुल्लर, यदुवंश चूग, एमके कुमार, रामलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और अन्य ने पौधा, शौल और स्मृति चिन्ह भेट करके किया।



गुरुवार में पंजाबी विरादरी महा संगठन, संस्था औं द्वारा आयोजित योग शिविर में पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन को प्रतीक चिन्ह देते बोधराज सीकरी।-एप

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह

गुडगांव, 19 जून (ब्यूरो): ओ३म् योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुग्राम, पंजाबी बिरादरी महा संगठन गुरुग्राम, जी.ए.वी स्कूल समूह के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में आयोजित निःशुल्क संगीतमय योग एवं ध्यान साधना शिविर में आज वर्षा के बावजूद योग साधकों की सराहनीय उपस्थिति योग के महत्व को दर्शाती है।



योग एवं ध्यान साधना शिविर में एकजुट हुए अतिथियाँ।

शिविर की शुरूआत योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने परमात्मा के निज मुख्य और सर्वश्रेष्ठ नाम “ओ३म्” के उच्चारण के साथ की। वर्षा के कारण मंच पर ही श्रद्धेय योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सीत्कारी, उज्जायी एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया।

दीप प्रज्वलन के बाद बोधराज

सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कौन से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि गौवि कला रामचंद्रन ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है एवं यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही पुलिस कमिशनर उसमें सफलता मिलती है। विशिष्ट अतिथि गिरिराज ध्यानचंद अवॉर्डीए डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल विभाग, गुरुग्राम, हरियाणा सरकार का भी शॉल ओढ़ाकर व पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया।

अमर भारती

एक उम्मीद

कृष्ण

बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना समर्पण भाव को दिखाता है : सीपी कला रामचंद्रन



अमर भारती कानूनकाल

नुस्खाव : अमेर पांच सालाना हुआ जाता गुरुवार, चौथाई विकारी वहा चालान बुखार, जीसी बहुत बहुत के बहुत संक्षिप्त अवधारणार में जीकोइ हटावेकाल बहुत बेक्कार-7 एकाडिकल गुरुवार के प्रातः में 5वीं दिन पांच विकारी रहा। वर्ष के बादबूद की वापसी की भीड़ गई। इस अवधारणा का चंडाली विकारी वहा चालान के प्राप्त

चौथानां चौकोरी में पर्वीनाथ के घराना पर अवालीनिक ही बैठने की प्रवास रहा। उन्होंने चालान कि गृहीनी विकार अवधारणीकाल चालिंग में जुमा रहा है। इन्होंने बचपने के लिए हम घरानों अधिकार में अधिकार वाला वर्ष की वापसी वहा चालान में एकाडिकल गुरुवार के प्रातः में 5वीं दिन पांच विकारी रहा। वर्ष के बादबूद की वापसी वापसी की भीड़ गई।

गोप्य। बहुत अधिक योगी बाल वापसीकाल में काता कि वापसी में भी लोगों का बोल बारों के लिए जाने उपकार योग के द्वारा वापसी चाल की विकारी है। उन्होंने कहा यदि हम वापसी अधिकार में अधिकार वाला में एकाडिकल गुरुवार के द्वारा वापसी वापसीकाल विकारी है। विकार अधिकार विकारीज (अवधारणार अधीकी) हिन्दी चालोबाट, बुद्ध वापसी एवं सुन्न विश्वास का भी

► सार्व विव अज वर्षाकाल चालिंग में जुमा रहा है। इसी बारों के लिए जाने वालों द्वारा अधिक से अधिक जाज में दृश्योगम लगाने की जम्मत है। विकार एक तरफ जाज वर्षाकाल चालिंग में एकाडिकल गुरुवार की, जब जाज एवं जाज में होने से बहुत ज्ञान सार भी दीक्षा करा देंगे।

► यही हम वर्षाकाल भाव में लंबे लंबाएं तर एकाडिकल करते हैं तो विकार ही हमें उसी वापसीकाल विकारी है।

वापसीकाल विकार वापसी वर्षाकाल में वर्षी के वापसी बोल पर ही वर्षाकाल में जाए तरु वर्षी बोल वापसीकाल का उपकारवाहीक बारों हुए वर्षी की भुवी के वापसी वर्षी वापसीकाल विकार वापसीकाल गीकारी, गीकारी, उपकारी एवं चालोी वापसीकाल का अधिकार बालास। वर्षाकाल गीक के वापसी वर्षीकाल वापसीकाल गीकारी, अधिकार विकार का अधिकार भी बालास। यह वर्षी के लिए एक बाल अधिकार वह।

गुड्नांव ट्रूडे

जैसे स्वस्थ शरीर के लिए योग जरूरी वैसे स्वस्थ बातावरण के लिए वृक्षारोपण : बोधराज सीकरी

बारिश के बावजूद
लोगों में रहा योग
करने का उत्साह।

योगांव ट्रूडे, गुरुग्राम

में योग संस्थान ट्रस्ट गाँव ग्राम, पंजाबी विद्यालयी महानगर गुरुग्राम, जीएवी स्कूल यून के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-7 इंटरनेशनल गुरुग्राम के प्रांगण में 5वें न योग शिविर जारी रहा। चर्चा के बावजूद योग साधकों की भीड़ रही।

इस अवसर पर पंजाबी विद्यालयी हा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी पर्यावरण के महान्व पर आश्वस्तिक ऐ कैन से प्रकल्प लाला। उन्होंने लाला कि संस्कृत विभाग आज ग्लोबल निर्मिति से ज़ब रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक



मार्ग में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ स्लोबल वार्षिक से छटकाण मिलेगा वहाँ, वहाँ समय यह व सही मार्ग में होने से भूल वह स्तर भी ट्रैक बन रहा। मुख्य अतिथि सीपी कला गमचंद्रन ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग

के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है। उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने वा प्राणाम करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता भुग्ने के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सौत्कारी, उन्नायी एवं भासी प्राणायाम का अभास करता। स्वर्योक्त गौत के साथ उन्होंने कपालभासि, अग्निसार किया का

चर्चा के बाबज मंच पर ही योगीयज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सौत्कारी, उन्नायी एवं भासी प्राणायाम का अभास करता। स्वर्योक्त गौत के साथ उन्होंने कपालभासि, अग्निसार किया का

अभास भी करताया। मंच पर सभी साधकों को बैठा कर ध्यान विशेष क्रिया प्राज्ञ साधना का अध्ययन कराया। यह सभी के लिए एक न अभास था। मुख्य अतिथि पुष्टि आयुक्त कला गमचंद्रन का स्वार्पज्ञवी विद्यालयी महा संगठन के प्रधान योधराज सीकरी, रमेश भूजल, और कलाय, सुंदर सुलतन, यदुवंश चौहान कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बज्जी न्योति चर्चा, रचना बजाज, राजप आहुजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजा संजय, सुधारुप गुरु, किलोरी ल द्वृष्टेजा, नरेश चावला, रमेश कलम औरी कलारा, रुबी मनोवा, अशो नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मेंद्र कलारी गोपेश आर्य, मधु आर्य, मुख्य आमीनायी मुजाजल और अन्य ने पुग्या, पीथा, शौल और स्मृति विभेद करके किया।

वर्षे भारत का अस्तित्व

गुडगाव मेल

• श्रीराम के द्वारा दिये गए विचारों की सूची

योग-स्वरथ शरीर, वृक्षारोपण-स्वरथ वातावरण के लिए अति आवश्यक : बोधराज सीकरी
गलोबल वार्मिंग से बचने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत : बोधराज सीकरी

अपनी गुणवत्ता के लिए दुर्लभ है। यह वास्तव में अपनी वृक्ष वाली जगत्, विशेषज्ञों की जगत्। अपनी वृक्ष वाली, जो वृक्ष के लिए वास्तव में अपनी वृक्ष वाली जगत्, विशेषज्ञों की जगत्। अपनी वृक्ष वाली, जो वृक्ष के लिए वास्तव में अपनी वृक्ष वाली जगत्, विशेषज्ञों की जगत्।



दी जाती है। यह जानकारी विद्यालय के लिए बहुत जापानी विद्यार्थी जाती है ताकि ही पर्यावरण संरक्षण कानून के लिए जितना सबसे अच्छा भी हो जाए।

संविधान सभा द्वारा गठित की गयी एक अधिकारी समिति द्वारा आयोजित होने वाली एक बड़ी जनसभा जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों भौमिकों की विभिन्न विचारों को सुनाया जायेगा। इस सभा में शहरी और ग्रामीण दोनों भौमिकों की विभिन्न विचारों को सुनाया जायेगा।

करियां दृश्यम् । एव से
प्राप्ते विनाशी चाह लोक
द्वारा अपार्वत लंबिता भी
स्मृत वृक्षम्, जो यही विनाशी
भूषि द्वारा उत्पादित वन् वा

पुरुष विवाह, जोकि उत्तर-
भूमि, दक्षिण भूमि, अ-
नुप्रवासी, एवं उत्तर, नवा-
वासी, नवीनी वर्ष, इसका वा-
सिकालान अनुप्रवास, उपर्युक्त
पर्वतीय विवाह, गोवा, गुजरात-
जी, चिंगोली जात अनुप्रवा-
सिकालान, नवीनी वर्ष, अं-
नुप्रवासी, एवं नवीनी वर्ष, अनुप्रवा-

काम का व सभी भाग में ही है

सुना अस्ति देखी काम
तपालम् विद्युत् । तदा त्रिप-
वासम् मे देखी काम काम
के लिए उत्तम वासी के रूप
परामर्श प्राप्त की विद्या
काम काम एवं वासी काम
काम काम काम काम ही तो विद्या
ही ही तात्त्व विद्याम् विद्या ही
उत्तम विद्युत् विद्याम् । तदा
वासीको उत्तम करो एवं वासी
की एवं वासी की विद्या
के लिए वासी की विद्या
की विद्या ही तो वासी की विद्या
ही ही तात्त्व विद्या ही तो वासी

वेदों में यह वर्णित है।
विश्व अधिकारी की विविधता
(व्यापक व्यापी) विभिन्न
प्राणीवासी, युक्त वासी एवं विभिन्न
विषय, व्युत्पन्न, विविधता वासी
एवं विभिन्न विभिन्न व्युत्पन्न
विभिन्न वासी विभिन्न वासी।

रणा टाइम्स

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग शिविर

■ योग - स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण - स्वस्थ वातावरण के लिए आति आवश्यक - बोधराज सीकरी

■ ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत : बोधराज सीकरी



गाजु गुप्ता

गुरुग्राम, (रणा टाइम्स)

ओउम् धौंग संस्कार ट्रस्ट नामका गुरुग्राम, पंजाबी विशाली योग संस्कार गृहाम् जी.ए.वी. स्कूल ममूल तथा ट्रैनिंग वातावरण के संयुक्त तत्वावधान में जीवीपी इटनेशनल स्कूल सेक्टर 7 एक्स्प्रेसोन बुलायम के प्राणाम में आयोगित विशुल्क संगीतमय योग एवं व्यायाम साधना शिविर में आज वर्षों के बावजूद योग साधकों की सहानुभूति उत्सुकित योग के महाव को दर्शाती है। शिविर की गुरुग्राम योगीश्वर अमृतकाल महाराज ने परमात्मा के निज मुख्य और सर्वश्रेष्ठ नाम - ओउम् के उत्तरावरण के साथ की। वर्षों के कालान में पर ही बढ़ोग योगीश्वर ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संसार की धुनों के साथ पहले

अनुशोध क्रियोग्राम प्राणायाम सीकरी, सीलकारी, उत्तमायी एवं धार्मी प्राणायाम का अध्यास कराया। स्वर्योगीत गीत के साथ उन्होंने क्रान्तिकारी, अग्निसरार क्रिया का अध्यास भी कराया। मेंच पर ही सभी साधकों ने ऐतिहासिक ध्यान की विशेष क्रिया प्राण साधना का अध्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया तत्त्व को स्वस्थ रख सकते हैं और उत्तम रक्ताचाप व इट्ट गोंगे से छुटकारा पा सकते हैं।

शिविर की मुख्य अंतिम श्रीमति कला समर्पण (पुलिस कमिशनर, भूमिका भी दाख भीज होकर आत्मा

उत्त हो जाती है। अतः आत्मा के विकास के लिए ध्यान साधना जितनी जहरी है उन्होंने तो मन को निर्मल करने के लिए वित्त पर्वं प्राण साधना की भी आवश्यकता है। योगीश्वर महाराज ने कहा कि ध्यान साधन साधन का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तात्त्विक तत्त्व को स्वस्थ रख सकते हैं और उत्तम रक्ताचाप व इट्ट गोंगे से छुटकारा पा सकते हैं।

शिविर की मुख्य अंतिम श्रीमति कला समर्पण (पुलिस कमिशनर, भूमिका भी दाख भीज होकर आत्मा

आर्य, मुम्मा अर्य, मौमालो मुजल और अन्य ने पुष्प गुच्छ, पौध, झौल और समृद्धि चिह्न भेट करके किया।

ट्रैप प्रज्ञान के बाद बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महाव पर अध्यात्मिक दृष्टि बौन से प्रकल्प ढाल। उन्होंने बताया कि संसूचि दिव्य आज स्वेच्छा वार्मिंग से जड़ा रहा है। इसमें बचने के लिए हम सभी अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तत्काल जल्द स्वेच्छा वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा जहाँ वहाँ समय पर व सही मात्रा में होने से भूजल का सर भी नीक बन जाएगा।

मुख्य अंतिम श्रीमती कला समर्पण महाराजा ने कहा कि बसात में भी त्वेतं का योग करने के लिए अना उत्तम धौंग के प्रति समर्पण भव घो दिलाता है। उन्होंने कहा यदि हम साधकीय भाव से कर्म करने का प्रयत्न करते हैं तो निश्चित ही हमें उम्मे सफलता प्रियता है। उन्होंने विन्यु महावन्दन के एक स्वेच्छा को उद्घाटन करते हुए बद्ध यदि हम अपने कर्मों को दैरपाक के प्रति समर्पण भाव से करें तो हम विन्यी भी तुल में भी व फलत करें नहीं करें और बुद्ध व अपराध योग से हट जाएं। विनिष्ट अंतिम श्री विरिहाज (ध्यानवंद अस्तीति) डिनी डायरेक्टर, युवा समाजे एवं योग विभाग, पुष्पग्राम, हरियाला मालवार का भूमिका औद्धकर व पुष्पग्राम भेट करके स्वागत किया गया।

हरियाणा की आवाज़

स्वरथ शरीर के लिए योग जरूरी वैसे ही स्वरथ वतावरण के लिए वृक्षारोपण : बोधराज सीकरी

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह



गुरुग्राम(गोकेश)। ओम योग संस्थान ट्रस्ट शाहा गुरुग्राम, पंजाबी विगदरी महा संगठन गुरुग्राम, जीएची स्कूल समूह के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में 5वें दिन योग शिविर जारी रहा। वर्षा के बावजूद योग सभाकों की भीड़ रही। इस अवसर पर पंजाबी विगदरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने

पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कौन से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संपूर्ण विश्व आज स्लोबल वार्मिंग से जूँझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक माजा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ स्लोबल वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा वहीं, वर्षा समय पर व सही मात्रा में होने से भूजल का स्तर भी ऊंक बना रहेगा।

मुख्य अतिथि सीपी कला गमचंद्रन ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है। उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता मिलती है। विशेष अतिथि गिरिराज (घ्यानचंद्र अवौद्धी) डिल्टी ड्रेसर्टर, युवा मामले एवं सेल विभाग का भी

स्वागत किया गया। योग शिविर में वर्षा के कारण मंच पर ही योगीराज ने आए हुए सभी योग सभाकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोद विलोम प्राणायाम शीतली, सीतकारी, उज्ज्वली एवं शामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वरचित गीत के साथ उन्होंने कपालभास्ति, अग्निसार किया का अभ्यास भी करवाया। मंच पर ही सभी सभाकों को बैठकर ध्यान की विशेष किया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था। मुख्य अतिथि पुलिस अपुकुल कला गमचंद्रन का स्वागत पंजाबी विगदरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, रमेश मुंजल, ओपी कालग, मुरोंद खुल्ल, यदुवीर चुम, एमके कुमार, गमलाल गोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति बर्मा, रचना बजाज, राजपाल आहजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, मुजाफ नाना, किसेंद्री लाल डुडेजा, नरेंद्र चावला, रमेश कामरा, ओपी कालग, रवि मनोचा, अशोक नाना, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल कटारिया, गुजरेश आर्य, मधु आर्य, मुष्मा अर्य, योनाशी मुंजल और अन्य ने पूप गुच्छ, पौधा, लौल और स्मृति चिन्ह भट्ट करके किया।

बुधांद रवींजा

सम्पादक-मंत्री साहित्य

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बारिश के बावजूद योगाभ्यास के लिए दिखाई दिया योग साधकों में उत्साह

ग्लोबल वर्मिंग से बचने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत - बोधराज सीकरी

मुमुक्षु, बुलंद लोड / सेकेन्ड
कृष्णा। अंतर्राष्ट्रीय योग साधन संस्कार ट्रॉफी लाला

मुमुक्षु, पंजाबी विद्यालय महा संगठन,
जीविती योग समूह द्वारा सैक्षण्य 7

एकसमैशन विद्या जीवित इंटरनेशनल
संघ में अंतर्राष्ट्रीय नियुक्त संकाय



कार्यक्रम में शामिल अधिकारी व अन्य।

योग एवं ध्यान साधना विभाग के प्रति संघर्षों में बारिश के बावजूद भी जल्दी उत्साह देखने की मिला। शिविर की शुरुआत योगीराज ओमराजना महाराज ने ओडिशा धर्मने के राष्ट्र बनाई। उन्होंने संगीत की धूमों के साथ वहाने अनुसूया विद्यालय प्राणायाम सीरीजी, दीलखरी, उज्जापुरी एवं भाजारी प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगीराज महाराज ने बताया कि इस साधन से जीरी के विकार जहां जाय होते हैं, वहां मन के विकार भी दूर्घ थोड़ा दूर्घ अलग उत्तर हो जाते हैं।

अठ- अठमा के विकास के लिए ध्यान साधन जितनी ज़रूरी है उतना ही मन को नियंत्रित करने के लिए वित्त एवं प्राण साधन की भी अवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ध्यान साधन योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तात्त्विक तंत्र को स्वरूप रख सकते हैं और उत्तम रक्तचयन व इष्ट ऐते से सुखकारा पा सकते हैं। मुख्य अधिकारी पुरीसर अंतुक कला एवं विद्यन का पंजाबी विद्यालय महासंगठन के प्रधान योगीराज सीरीजी, रमेश मुजला, ओमेरी कामरा, सुंदर रुक्मी, युवराज चूरा, एकांक कृष्ण, रामलक्ष्मी द्वारा, अनित कृष्ण, रमेश कृष्ण, अमौल्यना बलाज, ज्योति वर्षी, रघुनाथ बलाज, राजराज अंगल, प्रमोद मरुज, धर्मेंद्र बलाज, संजय, सुभाष नाथ, किरणी लला

दुडेला, नीरा चालका, रमेश कामरा, रवि योगी, अमोग नाथ, चन्द्रकला, पर्मेश्वर कट्टरिया, राजेश आर्य, मधु आर्य, मुख्या आर्य, मीनाली मुजला अलौद ने योगाल किया। इस अवसर पर निर्दिष्ट अधिकारी के रूप में पूजा मास्टे एवं खेत विभाग के हिटों डायरेक्टर अव्याख्याद अल्लाहु गिरिराज का शाल ओमराज सीकरी ने पर्यावरण के महात्व पर अधिकारीकृत दृष्टिकोण से प्रकाश लाने की बात की सारी विद्या आज सांकेत वर्षीय से जुड़ रही है। इससे बदलने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में योगारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तारक जहां बलोबल वर्षीय से सुखकारा मिलेंग वही वर्षी समय पर वह सर्वी मात्रा में होने से भूलान का मार भी टीक बना रहेगा। पुरीसर अंतुक कला एवं विद्यन ने कहा कि योगाल में भी सेवा का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पित भाव की दिशाका है। नहीं हम साधारित योग से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता मिलती है। उन्होंने विद्युत सदरकारी के एक तरोक को उद्घाट करते हुए बताया कि यह हम अपने कर्मों को ईंधर के प्रति समर्पित भाव से करने का प्रयास करते हैं तो हम इसके लिए भी दात में भी व गलत कर्म नहीं करेंगे और चुराई व अवसरप सेवा से हट जाएंगे।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनडीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

मंगलवार

गुरुवार

दिनांक : 20/6/23

योग - स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण - स्वस्थ वातावरण के लिए अति आवश्यक : बोधराज सीकरी

बाटिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन श्री साधकों से भरा रहा योग शिविर



ठोबल वार्मिंग से बचने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत : बोधराज सीकरी

गुरुवार (एनडीआर टाइम) गुरुवार ओड़म योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुवार, पंजाबी विरादरी महा संगठन गुरुदाम, जी.ए.वी.सी.स्कूल समूह तथा दैनिक जातरण के समूह तथा काला मैं जी.ए.इ. इटरेशनल रक्तूत सेक्टर 7 एक्सटेंशन गुरुदाम के प्राण में आयोजित गि.शुल्क समीक्षण योग एवं व्यायाम साधन शिविर में आज वर्षी के बावजूद योग साधकों की सराहनीय उपस्थिति योग के भवत्व को दर्शाती है। शिविर की शुरूआत योगीराज और मात्रकाल महाराज ने परमात्मा को निज मुख्य और सर्वभेद नाम "ओड़म" के उत्तरारण के साथ की। वर्षी के काले मंथ पर ही अद्वेष योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहपूर्वक करते हुए संगीत की धुनों

के साथ पहले अनुलोद विलोम प्राणायाम शीतली, सीतकारी, उज्जवली एवं भागी श्रान्तियाम का अभ्यास कराया। रवरपिति भीत के साथ उन्होंने कपालभाति, अग्निसात्र त्रिन्या का अभ्यास भी कराया। मंथ पर ही सभी साधकों को बैठा कर ध्यान की पिंडोष किया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था। योगीराज महाराज ने बताया कि इस साधना से शरीर के विकार जहाँ खड़े होते हैं, वही मन के विकार भी दृश्य बीज होकर अस्त्रा उन्मत हो जाती है। अतः आत्मा के विकास के लिए ध्यान साधन सितानी जरूरी है उतना ही मन को नियंत्रित करने के लिए चित्र एवं प्राण साधन की भी आवश्यकता है।

योगीराज महाराज ने कहा कि ध्यान साधना योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तत्त्विक तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं और उच्च स्तरायाप व हृदय रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। शिविर की मुख्य अतिथि श्रीमति कला रामचन्द्रन (पुलिस कमिशनर, गुरुवार) का स्वागत पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान माननीय बोधराज सीकरी, रमेश मुंजाल, और पी.कालरा जी, सुरेंद्र सुल्तन, यदुवंश मुंग, एम के कुमार, रामलाल शोधर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, रघुनाथ बजाज, राजपाल आहुजा, प्रमोद शर्मा, धर्मेंद्र बजाज, राजेश, सुभाष शर्मा जी, किशोरी लाल झुंडेजा, नरेश चावला, रमेश कामरा, और पी.कालरा, रघु मनोधा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मेंद्र कटारिया, राजेश आर्य, नमू आर्य, सुषमा आर्य, मीनाक्षी मुंजाल और अन्य ने पुष्प गुच्छ, पीपा, शौल और स्नूप चिन्ह भेट करके किया।

दीप प्रज्वलन के बाद बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आव्याखिक दृष्टि कीन से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संपूर्ण विश्व आज ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ ग्लोबल वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा वही वर्षी समय पर व राही नात्रा में जोने से भूजल का स्तर भी लीक बना रहेगा। मुख्य अतिथि श्रीमति कला रामचन्द्रन महोदया ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से करने वाले प्रयास करते हैं तो निरिखा ही हमें उसमें सफलता मिलती है। उन्होंने शिष्यु सहस्रनाम के एक इलोक को उद्घाट करते हुए बताया यदि हम अपने कर्मों को इश्वर के प्रति समर्पण भाव से करते हो हम किसी भी हाल में दुर्देर व गलत करने नहीं करेंगे और दुराई व अपराध योग से छुट जाएंगे। शिष्य अतिथि श्री गिरिराज (व्यायामधर्म अवार्डी) द्वितीय ऋषि रामरेवटर, युवा मामले एवं खेल विभाग, गुरुदाम, हरियाणा सरकार का भी शौल औदाकर व पुष्पगुच्छ भेट करके स्वागत किया गया।

2 गहरा हैरियांग
प्रेत है कलाकार के साथ
सिवाय अन्य - कलाकार



6 विद्युत शक्ति
मानविक उत्तर संसाधन
संसाधन विकास

राष्ट्रीय दैनिक

8 हैरियांग
कला संस्कृति वैज्ञानिक
प्रौद्योगिक अध्ययन

संसाधन - संसाधन विकास मंत्री जी ने विद्युत शक्ति
विभाग की विभिन्न विभागों के बीच एक विद्युत शक्ति की विद्युत

10 हैरियांग
विद्युत विभाग के द्वितीय लड़ती तक
संसाधन की ओर आयी - डॉ विजय

11 हैरियांग
विद्युत विभाग के द्वितीय लड़ती तक
संसाधन की ओर आयी - डॉ विजय



प्रौद्योगिकी विभाग

लैंप

महाराष्ट्र, 26 अप्रैल, 2022

पृष्ठ 12 | कृति 12

जगत क्रान्ति

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: jagatkrantijind@gmail.com

जीवन (जीवन) की प्रतीक्षा

ग्लोबल वार्मिंग से बचने को वृक्षारोपण की जट्ठारत : बोधराज सीकरी



■ बारिश के बावजूद योगाभ्यास में
दिखा योग साधकों का उत्साह

जगत क्रान्ति ■ एनके अरोड़ा

गुरुग्राम : ओउम् योग संस्थान ट्रस्ट
शाखा गुरुग्राम, पंजाबी बिरादरी महा संगठन,
जीएवी स्कूल समूह द्वारा सेक्टर 7
एक्सटेंशन स्थित जीवीए इंटरनेशनल स्कूल
में आयोजित निःशुल्क संगीतमय योग एवं
ध्यान साधना शिविर के प्रति साधकों में
बारिश के बावजूद भी जबरदस्त उत्साह
देखने को मिला। शिविर की शुरूआत

योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने ओउम् ध्वनि
के साथ कराई। उन्होंने संगीत की धुनों के
साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम
शीतली, सीत्कारी, उज्जायी एवं भ्रामरी
प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगीराज
महाराज ने बताया कि इस साधना से शरीर
के विकार जहां खत्म होते हैं, वही मन के
विकार भी दग्ध बीज होकर आत्मा उन्नत हो
जाती है। अतः आत्मा के विकास के लिए
ध्यान साधना जितनी जरूरी है उतना ही मन
को निर्मल करने के लिए चित्त एवं प्राण
साधना की भी आवश्यकता है। मुख्य अतिथि
पुलिस आयुक्त कला रामचन्द्रन का पंजाबी
बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज

सीकरी, रमेश मुंजाल, ओपी कालरा, सुरेंद्र
खुल्लर, यदुवंश चुग, एमके कुमार, रामलाल
ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सन
बजाज, ज्योति बर्मा, रचना बजाज, राजपाल
आहजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज
संजय, सुभाष गावा, किशोरी लाल दुडेजा
नरेश चावला, रमेश कामरा, रवि मनोचा
अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल
कटारिया, राजेश आर्य, मधु आर्य, सुष्म
आर्य, मीनाक्षी मुंजाल आदि ने स्वागत किया।
इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में
युवा मामले एवं खेल विभाग के डिप्टी
डायरेक्टर ध्याचंद अबाढ़ी गिरिराज का शाँत
ओदाकर स्वागत किया गया।

सच कहूँ

Sach
Kah
HAR

• नंगे तमाज़ ए - निकल लंबा 2000

जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सैक्टर-7 एक्सटेंशन गुरुग्राम में 5वें भी दिन जारी रहा योग शिविर जैसे स्वस्थ शरीर के लिए योग जरूरी वैसे ही स्वस्थ वातावरण के लिए वृक्षारोपण: बोधराज

- बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग के प्रति उत्साह

गुरुग्राम(सच कहूँ न्यूज़).

ओम योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुग्राम, पंजाबी विरादरी महा संगठन गुरुग्राम, जीएवी स्कूल समूह के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सैक्टर-7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में 5वें दिन योग शिविर जारी रहा। वर्षा के बावजूद योग साधकों की भीड़ रही। इस अवसर पर पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कौन से प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा कि संपूर्ण विश्व आज ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ ग्लोबल वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा वहीं, वर्षा समय पर व सहो मात्रा में होने से भूजल का स्तर भी



मुख्यातिथि को स्मृति विन्ह भेट करते हुए प्रधान बोधराज सीकरी व अन्य।

ठीक बना रहेगा।

मुख्यातिथि सीपी कला रामचंद्रन ने कहा कि चरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है। उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता मिलती है। विशिष्ट अतिथि गिरिराज (ध्यानचंद अवौडी) डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल

विभाग का भी स्वागत किया गया।

योग शिविर में वर्षा के कारण मंच पर ही योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम-विलोम, प्राणायाम शीतली, सीतकारी, उज्जायी एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। सभी साधकों को बैठाकर ध्यान की विशेष क्रिया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था।

ये रहे मौजूद

मुख्यातिथि पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन का स्वागत पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, रमेश मुजाल, ओपी कालरा, सुरेंद्र खुल्लर, यदुवंश चुग, एमके कुमार, रामलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति दर्मा, रचना बजाज, राजपाल आहूजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, सुभाष गांवा, किशोरी लाल दुडेजा, नरेश चावला, रमेश कामरा, ओपी कालरा, रवि मनोचा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मेंद्र कटारिया, राजेश आर्य, मधु आर्य, सुषमा आर्य, मीनाक्षी मुजाल और अन्य ने पृथ्वी गुच्छ, पौधा, शॉल और स्मृति विन्ह भेट करके किया।



चौंडीली, लखनऊ, गाफ्पर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पार्यनियर

जैसे स्वस्थ शरीर के लिए योग जरूरी वैसे स्वस्थ वातावरण के लिए व्रक्षारोपण : बोधराज सीकरी

पापाशिषा भगवान्नार मेला : गुरुद्वारे

और एक दूसरा उत्तर गान्धी
पुराणाय, पंजाबी विराटी या
मंगल गुरुदास, और एक महात्मा
के मध्यकाल तात्त्वज्ञान के लिए—
इंटरनेशनल महात्मा एवं वर्ष-२५
एकसंक्षेप गुरुदास के प्रश्न में से
एक प्रश्न जिसका जवाब यह है। वर्ष के
आठवाँ दौरे माध्यमिकों की ओर है।

इस जन्ममात्र पर योगीकी विद्यार्थी
वहाँ संस्कृत के पुस्तक लेखाना
शीकायी ने योगीकाल के महान् पा-
दपर्याप्तिमात्र दुहि चौपाँ में प्रवक्षा-
या। योगी अपना यह संस्कृ-

एवं उन्हें विद्या के सूचित विषय आव मर्दोंमें अधिकारीगं से जुड़ एवं विद्या न कहा जा सकता है भी योग्यों का योग करने के लिए भास

याटिया के बाबजूद
लोगों में राज योग
करने का उत्साह

रहा है। इसमें बधाए के लिए हम सबको अधिकार में अधिक व्यवस्था बढ़ावाएंगा करने की ज़रूरत है। इसमें एक तरफ जहाँ स्वीकृत अभिभाव से एकत्रित मिलेगा वहीं, वर्तमान ममता पर कहाँ मारा में होने में ख़तरा का खतरा भी उड़क चढ़ रहेगा।



प्रादृश्य के सेक्टर-7 में अवैतिन मानवीक प्रतिक्रिया को लें तिथि के इन दिनों सुधा अदीर्घ भूलिम अद्युत कठोर रामबद्ध को भूलि विह भेट करने परावधि चित्तारी स्था गोलांक के प्राप्त लोगोंसे बोकी र अम्।

उनका योग के प्रति समर्पित भाव वही है जोरांवं सफलता दिलाती है। चिरिया

विद्युत है। उसमें जहाँ वह इम-
प्रोटोकॉल भरा है तब उसे एक विद्युत

मनवता भव में कम करने का प्रयत्न करते हैं तो निश्चित ही हम अपना) हिंदू धर्मकार, मुख्य समस्ये एवं सौल विभाग का भी

मन्यागृह किया जाता। ये शिविर में वर्षी के कलाप मंच पर ही लोगोंवाला ने अपने दूसरे लोग साथकों का उत्सवाचरण करते हुए खेड़ी और पुरुषों के साथ लड़ते अनुभूतिम शिविर प्राणवाचम बैठकाएँ, भौतिकी, उन्नतीयी एवं धर्मयोग प्राणवाचम का अभ्यास करते। शिविर की गति के साथ उत्सवों का प्रत्यावर्ती, अन्यथा किए का अभ्यास भी करतावात। मंच पर ही सभी साथकों और फ्रेंडों का घरन और विहोने किया जाता रहता रहता का अभ्यास करता। यह सभी के लिए एक जल अभ्यास था। मुख्य अवधियों पुरुषों लोगोंका करना रामबद्धन का स्वागत पंजाबी

विग्रहो वह लंगूल के प्रधान
बोधाज मीठो, रेत सुकृत,
ओरी कलाप, सुख खुल्ला, पटुत्ता
चूप, दसों कुपार, रामलीला दीप,
अमीना कुमार, रेता कुमार,
न्योदय बड़ाज, अंडे वर्ष, रवा
बलाज, रामलीला लाल, इन्होंने
माटूना, पर्वत बड़ाज, सरव, सुखा
गार, फिलीरी लाल दुर्दीन, रेता
बालाज, रेता बालाज, ओरी
बालाज, एवं मदेश, अमीना वर्ष,
बन्दुकूकाल, धर्मपाल करारीरा,
दर्देत अर्प, पूर्ण अर्प, मुख्य अर्प,
मीठोंके दुकूल और अब ने पुष्प
गुल, फैफ, चौट और मस्ति तिज
ऐं करके किया।

दैनिक मेवात

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह

योग-स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण-स्वस्थ वातावरण
के लिए अति आवश्यक : **बोधराज सीकरी**

- एनिक वेताल अवास्तवा

गुरुदामः लोडम् योग
संवेदन त्रृप्त वाचा गुरुदाम,
चेद्यापि विष्णुर्दीप्त वाच संग्रहन
गुरुदामः योग ए योग अक्षुल
यम्बूद्ध तथा ईश्वर वाचारण के
मंगुरु तत्त्वावधान में जीवोंपर
इटरनेशनल स्कूल सेकेटर २
एस्टेट्स्ट्रील गुरुदाम के इन्हें
ये आपोजित विष्णुल
योगीत्पर्य योग एवं भद्र
याचनः विष्णु वे वदन वर्ती
के याचनूद योग साधकों को
सत्त्वानीप उपरिक्षित योग को
महत्व को दर्शाती है। विष्णु
को शूल-आत्म योगीराज
योगमूर्तकारा वाहाराज वे
करभाष्या के विव मुख्य और
यात्त्वेत्तु भूम 'लोडम्' के
दत्तदाम के वाच की। वर्ती
के वाचम् मंत्र वर ही छह्य
योगीराज ने वहाँ दूर सभी

योग लक्षणों का उत्तमाहम्यवैध वक्ता हैं और विशेष जी भूमि के निधन पहले अनुलोद विद्योद इच्छाकाम बोलते हैं, बोलते हैं, उन्हाँगों एवं प्राप्ति प्राप्तिकाम वह अभ्यास करता है। अवश्यित गीत है निधन उन्होंने कपालपाति, बरिनगर विष्णु वा ब्रह्मद्वज श्री करवाचूप। यद्य परा ही तभी मात्रकों जो घैटा कर लात जी विशेष किंवा भ्राता प्राप्त मात्रना का अभ्यास करता है। यदु दद्दी के लिए एक नवा अभ्यास है। गोविन्दान महाराज ने उक्तप्य कि इस मात्रना से हारीर के विकार जहाँ शुद्ध होते हैं, वहाँ यन के विकार भी उत्तम विनाश भीतर



ज्ञानवा उत्तम हो जाती है; अर्थात् ज्ञानवा के विकास के लिए ज्ञान प्राप्ति जिसने बढ़ाव दे रहा है उसका ही यह को लिया जाने के लिए धिक् एवं इच्छा साधना को भी आवश्यकता है।

गोविंदज महाराज ने कहा कि
इयान यादवा नांद का एक
बड़ा बड़ा अंग है जिसके द्वारा हम
अपने लक्षणों पर वे लक्ष्य रख
सकते हैं और उनके रक्तचाप व
इत्यर्थों में सुकाटा या लगते
हैं। लक्ष्यर का नुस्खा अलीब
क्रीमी कला गोपनीय (पुरिया
कमिलर, मुख्याम) का प्रयोग
पर्याप्त विवादी महा शंखन के

A collage of two photographs. The top photograph shows a group of students standing in a classroom, facing forward and raising their right hands. The bottom photograph shows a group of students seated at their desks, also raising their right hands. Both photos appear to be taken in a school environment.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग शिविर

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। ओउम् योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुग्राम, पंजाबी विरादरी महा संगठन गुरुग्राम, जी.ए.वी स्कूल समूह तथा दैनिक जागरण के संयुक्त तत्वावधान में जीवाए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रशांत में आयोजित निःशुल्क संगीतमय योग एवं ध्यान साधना शिविर में आज वर्षों के बावजूद योग साधकों की संख्याएँ उपस्थिति योग के महत्व को दर्शाती हैं। शिविर की सुरुआत योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने पटात्मा के निज मुख्य और सर्वत्रिट नाम +ओउम्+ के उच्चारण के साथ की। वर्षों के कारण मंच पर ही श्रद्धेय योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले



अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सीत्कारी, उज्जायी एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वरचित गीत के साथ उन्होंने काषलभाति, अग्निस्वर त्रिया का अभ्यास भी करवाया। मंच पर ही सभी साधकों को बैठा कर ध्यान की विशेष त्रिया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था। योगीराज महाराज ने बताया कि इस साधना से शरीर के विकार जाहे खत्म होते हैं, वही मन के विकार भी दृष्टि बोज होकर आत्मा ऊत हो जाती है। अतः आत्मा के

विकास के लिए ध्यान साधना जितनी जरूरी है उना ही मन को निर्मल करने के लिए चित एवं प्राण साधना की भी आवश्यकता है। योगीराज महाराज ने कहा कि ध्यान साधना योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तत्त्विक तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं और उच्च स्तरात्मा व हृदय ऐंगों से कुटकारा पा सकते हैं। शिविर की मुख्य अतिथि श्रीमति कला रामचन्द्रन (पुलिस कमिशनर, गुरुग्राम) का स्वागत पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान माननीय बोधगुज सीकरी, रमेश मुंजाल, ओ पी

कालरा जी, सुमेंद्र खुड्डा, यदुकंश चूग, एम के कुमार, गमलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रघुना बजाज, रुजपाल अहूजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, सुभाष गावरा जी, किशोरी लाल डडोना, नरेश चाकला, रमेश कामरा, ओ पी कालरा, रवि मनोचा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल कटारिया, गजेश आर्य, मधु आर्य, सुषमा आर्य, मीनाक्षी मुंजाल और अन्य ने पुण्य गुच्छ, पौधा, शौल और स्मृति चिन्ह भेट करके किया।

भारत सारथी

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग शिविर

-योग स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण स्वस्थ बातावरण के लिए अति अधिकारक : गोविराज सीकरी -लोकल वर्मिंग से बदने के लिए हम सबको वृक्षारोपण करने की जरूरत : गोविराज सीकरी

युग्मार्थ। आज योग संस्थान दृष्टि शाला शुक्रवार, पंजाबी विद्यालयी महा संगठन गुरुग्राम, जी.ए.वी.स्कूल सभूह तथा दैनिक जगत के संस्कृत लत्वावधान में जीवोंपर इंटरवेशनल स्कूल सेक्टर 7 एवं ब्लॉकल मुख्यामय के द्वारा ग्राम में आधारित निःशुल्क संस्कृतमय योग एवं ध्यान साधना शिविर में आज वर्षों के बालनुवृत्त योग साधकों को मरहानीय उपर्युक्त योग के महत्व को दर्शायी है।

शिविर की शुरुआत पोर्टफोली ऑफिसरकाल महाराज ने परमात्मा के निज मुलुम और सर्वश्रेष्ठ नाम ओडीए के उत्साहक के महत्व की। वर्षों के कालज में पर ही क्रृष्ण योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धूमों के साथ वहस्त अनुलोदी विलोम प्राणायाम शीतली, मीठाकारी, उज्ज्वली एवं प्रामारी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वर्णित गीत के साथ उन्होंने कपातभाति, अग्निसार किया का अभ्यास भी कराया। मंच पर ही सभी साधकों द्वारा चैटा कर ध्यान की विशेष किया प्राप्त साधना का अभ्यास कराया। वह सभी के लिए एक नया अभ्यास



था। योगीराज महाराज ने बताया कि इस साधना से हरीर के विकार जहाँ खाल होते हैं, वही मन के विकार भी दृष्टि वीज होकर आज्ञा उन्ना हो जाती है। अतः आज्ञा के विकास के लिए ध्यान साधना जितनी जरूरी है उन्ना ही मन को निर्भाव करने के लिए चिन एवं प्राण साधना की भी आवश्यकता है।

योगीराज महाराज ने कहा कि ध्यान साधना योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने जीविका तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं और उच्च रक्तचाप व हृदय रोगों से लूटकारा पा सकते हैं। शिविर को मुख्य अंतिम श्रीमति बल्ला रामचन्द्रन (पुलिस

कमिशनर, गुरुग्राम) का स्वगत पंजाबी विद्यालयी महा संगठन के प्रधान मानवीय वैधिकाज सीकरी, रमेश मूर्जाल, और पी कलता जी, मूर्देंद मूर्जाल, यदुवंश चुग, एम के कुमार, रामलाल ग्रोवर, अनित कुमार, रमेश कुमार, ज्योतिलाल वजाज, ज्योति वर्मा, रघवा वजाज, साक्षात आहजा, इमोद मलूजा, धर्मेंद वजाज, मंजूर, सुभाष गांवा जी, किसोरी लक्ष्म दुहोजा, नरेश चालना, रमेश कामरा, और पी कालना, नवि मलोचा, अग्निक चासा, बन्दप्रकाश, घरेपाल कटारिया, राजेश अमे, मधु जार्य, सुषमा अर्य, मीनाक्षी मूर्जाल और अन्य ने पुष्प गुच्छ, पीथा, हाल और

स्फुरित विन भेट करके किया। दीप प्रज्वलन के बाद वैधिकाज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आधारात्मिक दृष्टि कीन से प्रकाश दाता। उन्होंने बताया कि संपर्क विकास आज स्लोकल वर्मिंग से बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक माजा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। इससे एक तरफ वहाँ ग्लोबल वर्मिंग से लूटकारा मिलेगा वहाँ वर्ष सभय पर व सही माजा में होने से भूजल का स्रोत भी टोक बढ़ रहेगा।

मूल्य अंतिम श्रीमती कला रामचन्द्रन भोजप्रदेश ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए उन्ना उत्सव योग के प्रति समर्पण भाव को दिलाता है उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कार्य करेंगे का प्रबल करते हैं तो विश्वक ही हमें उसमें सफलता मिलती है। उन्होंने विष्णु गड्ढकलाम के एक स्तोक को डूढ़त करते हुए बताया यदि हम अपने कर्मों को इंतजर के प्रति समर्पण भाव से करें तो हम किसी भी हाल में भुरे व गलत करने वाली करेंगे और जुराई व अपराध बोध से लूट जाएं।

विलाप अंतिम की मिरिसाज (ध्यानचंद्र अवौही) द्वितीय इंटरेक्टर युवा सामले एवं लोक विभाग, गुरुग्राम, हरियाणा सरकार का भी संति अंतिमकर व पुण्यगुच्छ पेट करके स्वागत किया गया।

ओपन सर्व

योग - स्वस्थ शरीर, वृक्षारोपण - स्वस्थ वातावरण के लिए अति आवश्यक : बोधराज सीकरी

बारिश के बावजूद लोगों ने रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग शिविर

लोक सभा/ विशेष संसदीय संसदीय भवन

प्रश्नपत्र : बोधराज सीकरी ने संसदीय भवन में योग करने के लिए इमाम रामाराम के नाम से वृक्षारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

उत्तरपत्र : बोधराज सीकरी ने संसदीय भवन में योग करने के लिए इमाम रामाराम के नाम से वृक्षारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

प्रश्नपत्र : बोधराज सीकरी ने संसदीय भवन में योग करने के लिए इमाम रामाराम के नाम से वृक्षारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

■ ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

उत्तरपत्र : यह अभी आवाहन जल्द नहीं आया। बोधराज सीकरी ने संसदीय भवन में योग करने के लिए इमाम रामाराम के नाम से वृक्षारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी



योग करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

ग्रन्तीकार पार्टी से लाभने के लिए हम सबकाले धूम्रारोपण करने की ज़िल्हात : बोधराज सीकरी

जैसे स्वरथ शरीर के लिए योग जरूरी वैसे स्वरथ वातावरण के लिए वृक्षारोपण : बोधराज सीकरी



ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। ओम योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुग्राम, पंजाबी विरादी महा संगठन गुरुग्राम, जीएची स्कूल समूह के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में ५वें दिन योग शिविर जारी रहा। वर्षों के बावजूद योग साधकों की भीड़ रही।

इस अवसर पर पंजाबी विरादी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कैन से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संपूर्ण विश्व आज ग्लोबल वार्मिंग से

बूझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक माझा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ ग्लोबल वार्मिंग से हटकारा मिलेगा वहीं, वर्षों समय पर व सही माझा में होने से भूजल का स्तर भी ठीक बना रहेगा।

मुख्य अतिथि सीपी कला रामचंद्रन ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है। उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता मिलती है। विशिष्ट अतिथि गिरिराज (ध्यानचंद्र

अबॉर्डी) डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल विभाग का भी स्वागत किया गया।

योग शिविर में वर्षों के कारण मंच पर ही योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सोल्कारी, डन्जारी एवं भामरी प्राणायाम को अभ्यास कराया। स्वरचित गीत के साथ उन्होंने कपालभाति, अग्निसार क्रिया का अभ्यास भी करवाया। मंच पर ही सभी साधकों को बैठा कर ध्यान की विशेष क्रिया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था।

मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन का स्वागत पंजाबी विरादी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, रमेश मुंजाल, ओपी कालरा, सुरेंद्र खुल्लर, यदुवंश चुंग, एमके कुमार, रामलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, राजपाल आहजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, सुभाष गाबा, किशोरी लाल दुडेजा, नरेश चावला, रमेश कामरा, ओपी कालरा, रवि मनोचा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल कटारिया, राजेश आर्य, मधु आर्य, सुषमा आर्य, मीनाक्षी मुंजाल और अन्य ने पुण्य गुच्छ, पौधा, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट करके किया।

योग-स्वरूप शरीर, वृक्षारोपण-स्वरूप वातावरण के लिए अति आवश्यक-बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संचाददाता

गुरुग्राम। ओउम् योग संस्थान ट्रस्ट शाखा गुरुग्राम, पंजाबी बिगादरी महा संगठन गुरुग्राम, जी.ए.बी स्कूल समूह तथा दैनिक जगरण के संयुक्त तत्वावधान में जीवीए इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 7 एक्सटेंशन गुरुग्राम के प्रांगण में आयोजित निःशुल्क संगीतमय योग एवं ध्यान साधना शिविर में आज वर्षों के बाबजूद योग साधकों की सराहनीय उपस्थिति योग के महत्व को दर्शाती है। शिविर की शुरूआत योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने परमात्मा के निज मुख्य और सर्वश्रेष्ठ नाम -ओउम्- के उच्चारण के साथ की। वर्षों के कारण मंच पर ही श्रद्धेय योगीराज ने आए हुए सभी योग साधकों का उत्साहवर्धन करते हुए संगीत की धुनों के साथ पहले अनुलोम विलोम प्राणायाम शीतली, सीत्कारी, डज्जायी एवं भामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्वरचित गीत के साथ उन्होंने कपालभाति, अग्निसार क्रिया का अभ्यास भी करवाया। मंच पर ही सभी साधकों को बैठा कर ध्यान की विशेष क्रिया प्राण साधना का अभ्यास कराया। यह सभी के लिए एक नया अभ्यास था। योगीराज महाराज ने बताया कि इस साधना से शरीर के विकार जहाँ खल्म थेते हैं, वही मन के विकार भी दग्ध बीज होकर आत्मा ऊंत हो जाती है। अतः आत्मा के विकास के लिए ध्यान साधना जितनी जरूरी है उतना ही मन को निर्मल करने के लिए चित्त एवं प्राण साधना की भी आवश्यकता है। योगीराज



महाराज ने कहा कि ध्यान साधना योग का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके द्वारा हम अपने तत्त्रिका तंत्र को स्वरूप रख सकते हैं और उच्च रक्तचाप व हृदय रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। शिविर को मुख्य अतिथि श्रीमति कला रामचन्द्रन (पुलिस कमिशनर, गुरुग्राम) का स्वागत पंजाबी बिगादरी महा संगठन के प्रधान माननीय बोधराज सीकरी, रमेश मुंजाल, ओ पी कालरा जी, सुरेंद्र खुल्ला, यदुवंश चुग, एम के कुमार, रामलाल ग्रोवर, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ज्योत्सना बजाज, ज्योति बमा, रचना बजाज, राजपाल आहूजा, प्रमोद सलूजा, धर्मेंद्र बजाज, संजय, सुभाष गव्वा जी, किशोरी लाल डुड़जा, नरेश चावला, रमेश कामरा, ओ पी कालरा, रवि मनोचा, अशोक नासा, चन्द्रप्रकाश, धर्मपाल कटारिया, राजेश आर्य, मधु आर्य, सुष्मा आर्य, मीनाक्षी मुंजाल और अन्य ने पुण्य गुच्छ, पौधा, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट करके किया।

दीप प्रज्वलन के बाद बोधराज सीकरी ने पर्यावरण के महत्व पर आध्यात्मिक दृष्टि कौन से प्रकाश ढाला। उन्होंने बताया कि संपूर्ण

विश्व आज ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। इससे बचने के लिए हम सबको अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने की जरूरत है। जिससे एक तरफ जहाँ ग्लोबल वार्मिंग से छुटकारा मिलेगा वहीं वर्षा समय पर व सही मात्रा में होने से भूजल का स्तर भी ठीक बना रहेगा। मुख्य अतिथि श्रीमती कला रामचन्द्रन महोदया ने कहा कि बरसात में भी लोगों का योग करने के लिए आना उनका योग के प्रति समर्पण भाव को दिखाता है उन्होंने कहा यदि हम समर्पित भाव से कर्म करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमें उसमें सफलता मिलती है। उन्होंने विष्णु सहस्रनाम के एक श्लोक को उद्धृत करते हुए बताया यदि हम अपने कर्मों को ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से करें तो हम किसी भी हाल में बुरे व गलत कर्म नहीं करेंगे और बुराई व अपराध बोध से छुट जाएंगे। विशिष्ट अतिथि श्री गिरिराज (ध्यानचंद अवौडी) डिप्टी डायरेक्टर, युवा मामले एवं खेल विभाग, गुरुग्राम, हरियाणा सरकार का भी शाल ओढ़ाकर व पुण्यगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया।

**वारिश के वावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह, पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग
शिविर**



पौर - स्वास्थ बारीज, सुखारीपाल - स्वास्थ बाकावरण के लिए अति-आवश्यक : पौरप्राज सीकी

मनोवैज्ञानिक सार्वजनिकीय विद्या का उत्तराधिकारी बनने की उपलब्धि : शोधवाल शीक्षणी



गोपीनाथ बहुमानी के बाहर ही विभिन्न विषयों में एक विद्यार्थी भी नहीं बन सकता।

तो इसका अनुभव विदेशी से प्राप्ति के अनुभव का अनुदर्शन होता है जो उसे उसके अनुभव के अनुदर्शन के रूप में लिया जाता है अतः इसकी विदेशी से प्राप्ति का अनुभव विदेशी से प्राप्ति के अनुदर्शन के रूप में लिया जाता है।

मनुष्य अधिकारी भी कोई वास्तविक सहायता न देता है जबकि वह अपनी वास्तविक कामों के लिए अपनी उचित विधि की अपरिवर्तनीयता की वास्तविकता को बताता है। इस अधिकारी विधि के अन्तर्गत कोई वास्तविक कामों के लिए अपनी उचित विधि की अपरिवर्तनीयता की वास्तविकता को बताता है। इस अधिकारी विधि के अन्तर्गत कोई वास्तविक कामों के लिए अपनी उचित विधि की अपरिवर्तनीयता की वास्तविकता को बताता है।

Hence, adult *C. fuscipes* (maternal adult) find smilax roots more than other plants. Moreover, *C. fuscipes* females eat 40% of their diet as roots.

बारिश के बावजूद लोगों में रहा योग करने का उत्साह,
पांचवें दिन भी साधकों से भरा रहा योग शिविर

Brought to you by | Monday June 19, 2023



ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਪ੍ਰਸਾਦ ਮਨਜ਼ੂਰ ਅਤੇ ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਮੌਜੂਦਾ ਸੋਚ ਵਿੱਚ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

whereas with a good fit the two most common result of success—strong effect



कांगड़ीनगर महाराष्ट्र में काढ़ा के वर्षन सालाह थे। वा एक महाराष्ट्रीय जन है जिसके द्वारा हम अपने रीढ़ोंका तंत्र को साल
साल बदलते हैं। वे यह विकास व विकास की दृष्टिकोण से विवरणित करते हैं।

दीप प्रतिष्ठान के काद लंगियाव दीक्षिती ने पार्वतीरा के महारथ पर जापानिक हुक्म कोने से प्रकाश दाता। उन्होंने कामा कि संस्कृत लिख अब एक्सेव दर्शकी में बहु रहा है। दुर्लभी वधों के लिये इम सबको अधिक से अधिक मात्रा में भूषणादाता करने की जरूरत है। यिनका दुर्लभ एक्सेव दर्शकी से कुट्टाकाहा गिरोव छी वर्षी समय पर व सही रात्रा में उड़ने से बचने का उपयोग हो सकता है।

प्रायः अर्जीं लौटी करता सामग्रेन महाद्वारा ने कहा कि ब्रह्मण में भी तीर्णों का देखन करने के लिए अमा उनका द्वारा के प्रति सामर्थ्य प्रद तो दिलचस्प है उन्होंने कहा यही हम सामर्थ्य भवा से कर्ता करने का धर्मा करो है तो निषिद्ध ही हमें उसमें साक्षरता मिलती है। उन्होंने लिखा सामग्रेन के एक शब्दको हमें कहो हमुद्रा को हुए कामा चढ़ि इस अन्ने। कर्त्ता की हुई के प्रति सामर्थ्य प्रद हो बारे ही हम लिखी भी इसमें मेरु द गायत्र कम्बे नहीं करेंगे और दुर्वासा व अशाम भी नहीं देंगे जाते।